

१९०४

महाराज २१/१७

5. ପିଆଇ 5 ସିଆପିଆ । 6. ପିଆପି 5-7 8. ମାପି- 300 9. ମାପି- 300

5.60 6.00 6.40 6.80 7.20 7.60 8.00 8.40 8.80 9.20 9.60 10.00

अलग-32/रूपरे खाता: प्रमाण: 800 रु. र मासिकता 25/100/रु. 5-रु. 1-रु.

समाना भागदान-सुर : १०० ३ मे ६-स्टायप ग्राह-4000/रूपये 7-

आवास एवं बिजली वृद्धि के बाहर है 0- विद्युत भूमि ग्राम हाहापुर जी है

७- पिछित भूमि की बाधत पहले कीर्ष, अनुसंधान नहीं हुआ है ।

जन्मस्थान-कपीद पुत्र श्री अष्टहत्ता निवासी ग्राम हाहापुर परगना भागवतपुर
जन्मदिन-२२/०५/१९४८ ई.।

विहित हो कि उचित विधिविहित सम्पत्ति को स्वामी व अधिकारी है जो इस सम्पत्ति इस प्रकार के उत्तर तथा प्रतिफल आदि के मुताबिक, किसी प्रकार के हस्तान्तरण तथा वसूल आदि नहीं है और कोई अन्य व्यक्ति, संस्था, बैंक, कोषागारों स्वामी आदि वा व्यक्तित्व वह है विधिविहित सम्पत्ति को वास्तविक रूप में विभाजित करने तथा उसे और विधिविहित सम्पत्ति के विकास व हस्तान्तरण द्वारा वे उचित रूप से संचालन है, जहाँ उचित व सम्पत्ति को पुनः तथा दृष्टिवा की रूप में जहाँ वे विधिविहित सम्पत्ति को अपने धर्मार्थ

32000/ बल्लीस

દયાર સ્વયંએ મૈસર્સ હાજીરાહાલ બિંટલાબજાર પ્રાઇવેટ લિમિટેડ દ્વારા ૩૫૦ મંજી

કુશાલ અથવાન પુત્ર ડાઠ કાન્નાડા અથવાન નિવાસી 200 સિથિત તા.પન ૧૯૮૧

पं. वंजय गुप्ता: पुत्र श्री गृहीशचन्द्र निवासी 199, लेक्स रोड गणेशपुर रुहेरी

ठायोबर्त्सं व मं उपरोक्त ।

[illegible]

अव: यह विषय हम पिछले दि. २०/११/७३ को भी चर्चा कर चुके हैं।

विवरण क्रमशः—भूमि ३ तीन बीघा ३ तीन धिक्को ९ पाँच बिसवासी पुस्तक

24-1

मजल ८. 7/89/०3

नम्बर दसरा ११५१० मजली ३२/रूपये वाटिकि गाता नम्बर ५१ रिहार
 ग्राम हाहापुर मुस्तफ़म परगना भागधानपुर तहसील रखी जिला बरिदार ।
 उपरोक्त भूमि मुकिर ने श्री सराएल आदि से द्वारा विक्रय वर निधित
 तिथि ३१-१-७४ जिला की रजिस्ट्री बही नं० १० जिल्द १०२८/१०२९ के मुता
 ४९/१० में नं० ४७१ वर दि० १६-३-७४ को दफ़्तर रजिस्ट्री रखी में दर्ज
 है खरीद की हुई है । उपरोक्त भूमि में लगभग १०० रुबर ओटे छोटे ओटे
 के लो हुए हैं जो नीर के रूप में हैं जिनकी कीमत उपरोक्त भूमि की मूल
 राशि में ही शामिल है । उपरोक्त भूमि में मुकिर को संग्रणीय
 भूमिधारी अधिकार प्राप्त है । उपरोक्त भूमि का दाखिलखाना
 खिस्ता के नाम द्वारा पत्रावली सं० ४७४ दि० १९-७-७४ को राज्य
 विभाग में स्वीकार हो चुका है अतः उता में उपरोक्त के नाम दाखिल
 खाना करने में खिस्ता पूरा पूरा सहयोग देगा । किन्तु भूमि का
 वर तहसील रखी से प्राप्त कर लिया है जो तलम है ।

विक्रय प्राप्त पत्रावलि- नुस गुजराति नकद मन्दा सगर्ग मन्दा
 मोहल रखी में दर्ज किया जाएगा ।

तारीख- १९ अक्टूबर १९७० ई०

डा० डेड बार्न- संजय वैद्य पख्यावेर रखी ।

दाखल किया- मुकिर पत्र रखी । ज़रूरत पड़े
 नकद गुजराति जाना है

Sanjay Vaid
Advocate.

१५-१२-७०
मजली ८/१०२८/१०२९